







# कानपुर नगर एक्सप्रेस

www.janexpresslive.com/epaper

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस।

लखनऊ | रविवार | 05 मई 2024

03



कानपुर में गुरु ग्रंथ साहिब के सामने माथा टेकने के बाद पीएम मोदी ने पूरे देश के सिख समाज का जीत लिया दिल

## प्रधानमंत्री मोदी को देखने के लिए उमड़ा जन सेलाब

जन एक्सप्रेस | कन्नलेट

फाइटर/विष्णु राठौड़/विनीत सिंह

कानपुर नगर। उत्तर प्रदेश के कानपुर नगर की जनता ने कल शनिवार का गुमटी नंबर 5 से लैंकर सत नगर चौराहे तक आयोजित रोड शो के दौरान अपने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को बहुत ही करीब से देखा। लगातार एक साथ

पहले से पीएम मोदी के कानपुर आपमन को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म था। युद्ध स्तर पर वारा दिन फहले से जो तैयारी हो रही थी वह रोजाना चर्चा में रहती थी। देश के चर्चे पीएम को देखने के लिए सुबह से ही पलंगक दीवानों की तरह एकत्रित होने लगी थी आसपास के जनपदों से भी मिला

पुष्प के साथ-साथ चर्चे और दिवायां भी भारी संख्या में पहुंचे हुए थे। पीएम मोदी के दीदार के लिए सारे के सारे लॉक खालीखाल भरे हुए थे सांस लेने की जगह नहीं थी पर भी जनता कई घंटे पहले से खड़ी होकर पीएम का इंजाज करती रही और जब उन्हें पीएम मोदी के दीदार हुए तो बड़ी ही खुशनुभा माहोल में जनता अपने धरों की चर्चा करते हुए वापस गई।

**सुबह 10 के बाद से ही जनता का रोड शो के स्थल पर एकत्रित होना आरंभ हो गया था**

ज्ञातव्य हो कि शनिवार के दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के रोड शो का कार्यक्रम कानपुर लोकसभा के प्रत्याशी रमेश असर्सी और अकबररुर लोकसभा के प्रत्याशी लेंद्रें रिंग भोले के समर्थन में सायकाल छह बजे से प्रस्तावित था। पीएम मोदी और सीएम योगी के आपमन से पहले ही सुबह 10 के बाद से ही जनता का रोड शो के स्थल पर एकत्रित होना आरंभ हो गया था। पुरुष महिला बच्चे दिवायां और बुजुर्ग भारी संख्या में धीरे-धीरे एकत्रित हो रहे थे। जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन भी बहुत ही मुरीदे थे। उन्हें धर पर मोजूर था और कार्यक्रम खल को भव्यता से सजाया गया था। लोकल इंटरेंजेस यूनिट, सीआईडी, एसजीजी के अलावा कई यूनियन साक्रिय थीं और उनके द्वारा विशेष ध्वनि पर नजर रखी जा रही थी। भारतीय जनता पार्टी के कई प्रकाशकों के नेता भी अपने नेतृत्व में भारी भरकम भड़क लेकर रोड शो में शामिल होने पहुंचे हुए थे।

**प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष तौर पर गुरु ग्रंथ साहब के लिए वस्त्र लेकर पहुंचे थे**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 6:35 पर उपर्युक्त गुरुद्वारा पहुंचे। पीएम मोदी को गुरुद्वारे के मुख्य द्वार पर रिसीव करने वाले युनिवर्सिटी और गुरुद्वारा योगी के प्रधान पहुंचे थे। जिसके बाद पीएम बाद सीधे ऊपर गुरु ग्रंथ साहब के सामने माथा टेकने पहुंचे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विशेष तौर पर गुरु ग्रंथ साहब के लिए वस्त्र लेकर पहुंचे थे जिसे उनके सामने ही गुरु ग्रंथ साहब को वसर पहनाए गए। गुरु ग्रंथ साहब के सामने माथा टेकने के बाद सर्वान्याय संत बाबा मोहन सिंह जी के सामने भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना माथा टेका। जिसके बाद गुरुद्वारा कमटी के प्रधान हरजीत सिंह कालरा द्वारा 2 मिनट का संबोधन भी किया गया।



**पीएम मोदी को बधाई देने के साथ पंजाबी यूनिवर्सिटी की सिख समाज ने की मांग**

गुमटी गुरुद्वारा के प्रधान हरजीत सिंह कालरा के द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के गुरुद्वारे के सामने माथा टेकने के लिए धारा सिख समाज को दोंगे गुरुद्वारा अरदास करने की प्रक्रिया के बाद पीएम मोदी और सीएम योगी से की गई विशेष बाद उन्होंने कहा कि वह जन्म ही पंजाबी यूनिवर्सिटी का तोहफा सिख समाज को दोंगे गुरुद्वारा अरदास करने की प्रक्रिया के बाद पीएम मोदी और सीएम योगी बाहर आए और उन्होंने कानपुर लोकसभा प्रत्याशी रमेश असर्सी और अकबररुर लोकसभा प्रत्याशी लेंद्रें रिंग भोले के समर्थन में रोड शो से आरंभ किया। रोड शो जैसे ही आरंभ हुआ हर-हर मोदी धर पर मोदी नमों नमों मोदी जय जय श्री राम के नाम पूजा उठे जो जैरिकेड के पौछे ढाँक बने थे उसमें जनता इस करदर दीवानों की तरह जय श्री राम के नाम लगा रही थी मानो उर्ह उर्ह उनके भगवान मिल गय हैं, यह समा देखते ही बन रहा था पीएम मोदी ने भी जनता की ओर हाथ उठाकर उनका अभिवादन स्वीकार किया और शहर की जनता से दोनों प्रत्याशियों को भारी बहुमत से जिता कर उनकी सरकार तीसरी बार पुनः बनाने के लिए कहा गया।



**नौजन पूर्वनगम**

अविकलन (डिग्रीएलो) : 39.2 (-0.6)  
नव्युक्त तापमान (डिग्रीएलो) : 23.0 (-0.5)  
सापेक्षिक आदित अविकलन : 41 प्रतिशत  
सापेक्षिक आदित न्यूक्लन : 18 प्रतिशत  
दूध की औत जीवी : 4.5 डिग्रीएलो/घण्टा  
दूध की लैंड नंबर : जल विद्युत  
वर्ष (मिलीजी) : 0.00

- क्रांति नौजन वैज्ञानिक





अधिकतम	न्यूतम
लखनऊ	41°C
कानपुर	41°C
देहरादून	36°C
नई दिल्ली	41°C

05

# लखनऊ एक्सप्रेस

हिंदी दैनिक, जन एक्सप्रेस ।

लखनऊ | रविवार | 05 मई 2024

## नगर आयुक्त पर एफआईआर के आदेश

सीजेएम बोले, शिकायत के बाद भी जांच न करना गलत, जलकल में धोखाधड़ी करके दी गई नौकरी

जन एक्सप्रेस | लखनऊ



लिखित आदेश का इंतजार कर रहे हैं नगर आयुक्त

इस पूरे प्रकरण पर जब नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा कि- अभी कोई आदेश हमें नहीं मिला है। पुलिस-प्रशासन की ओर किसी तरह की बातों नहीं हुई है। जब आशेंग नाम जाएगा, तब उन्हें वकील के माध्यम से उसका जवाब दिया जाएगा। नगर आयुक्त ने यह भी कहा कि कोट्टे में आदेश का सम्मान करना सबकी जिम्मेदारी है।

कर दी गई। प्रार्थी ने कोट्टे को बताया है कि उन्हें कई बार इसको लेकर नार निगम में लिखित शिकायत की बाबूजूद बताया कोई जांच नहीं की गई। कोट्टे में बताया गया कि जिस

मुक्त के नाम पर नौकरी दी गई उसका असली नाम चुना था जबकि आरोपी राजकुमार के पास का नाम चुनीलाल है। लेकिन इन्हीं बड़ी धूम रामी के बाबूजूद वार्षिकी के लिए रुपांतर और धूम रामी के लिए रुपांतर नहीं की गई। कोट्टे में बताया गया कि जिस

कर दी गई। प्रार्थी ने कोट्टे को बताया है कि उन्हें कई बार इसको लेकर नार निगम में लिखित शिकायत की बाबूजूद बताया कोई जांच नहीं की गई। कोट्टे में बताया गया कि जिस

किसे और कैसे दी गई थी नौकरी

आरोप लगाया गया है कि जलकल विभाग के कमर्शियाँ चुना की मौत के बाद उसके बेटे राजकुमार को नौकरी दी गई थी। लेकिन राजकुमार ने जो कामजात लगाई थी, वे कफी थे। इन्हीं नकली दस्तावेजों के आधार पर राजकुमार को नगर निगम में सहायक लेखाकार के पद पर तैनाती दी गई है। इस मामले में प्रेमोट यूपार सिंह वौला ने शिकायत की ओर कोट्टे में बाद दाखिल यूपार सीजेएम की ओर जांच नहीं की थी।

कोट्टे ने कहा, 'व्यापारी नहीं की गई जांच'

मामले की सुवार्डी के दौरान सीजेएम कोट्टे ने कहा कि- मामले में शिकायत के बाद जांच न करना गलत है। यह लापराही और धोखाधड़ी जैसा है। सीजेएम ऋषिकेश पाठें ने फर्जी दस्तावेजों के सहारे नौकरी हासिल करने वाले सहायक लेखाकार राजकुमार सहित नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह पर भी एफआईआर दर्ज करने का आदेश जारी कर दिया। कोट्टे ने जलकल विभाग के महाप्रबंधक राम कैलांग गुरा, वार्षिकी के लिए रुपांतर और धूम रामी के लिए रुपांतर नौकरी दी। इसमें वर्षां वर्षां संविध रुपांतर, पूर्व महासचिव राधवेद, पूर्व महाप्रबंधक श्रीदेव कुमार वर्मा, सचिव रमेश चंद्र, पूर्व वित्त अधिकारी अजय यूपार सिंह वौला भी एफआईआर करने के बाद दिए गए।

मामले पर जलकल विभाग के सचिव का बयान

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी। राजकुमार नाम के सहायक लेखाकार को साल 2023 में निलंबित कर दिया गया है। इस पूरे प्रकरण से नगर आयुक्त की कोट्टे जिम्मेदारी नहीं है।

मामले पर जलकल विभाग के सचिव का बयान

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी गई थी।

जलकल विभाग के सचिव ने बताया कि नियुक्ति 1988 में थी ग













